MARKING SCHEME
CLASS – 10TH
Hindustani Music Instrument (Melodic) MHI
CODE: 089

Sr. no.	Questions	Marks	No. of Questions and Marks Distribution	Total Marks
1	**विद्यार्थी द्वारा चयनित वाद्य यंत्र का चित्र सहित वर्णन** ▪ **किसी एक वाद्य का चित्र सहित वर्णन** ▪ (सितार, सरोद, वायलिन, दिलरूबा इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सांरगी) पूरा विवरण देने पर पूरे अंक दिए जायेंगे।	03	03 (2 + ½ + ½)	03
2	**संगीत संबंधी परिभाषाएँ** **शुद्ध, छायालग और सर्कीण राग की परिभाषा** ▪ शुद्ध, छायालग और सर्कीण रागों का वर्गीकरण बारे परिभाषा। **गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत की परिभाषा** ▪ गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत की परिभाषा। **3.ताल की परिभाषा** ▪ विभिन्न परिभाषाएं तालीए खालीए समए मात्राए बोलए विभागए आवर्तन। एक ताल, चौताल व रूपक ताल का (एक गुण और दो गुण लिपिबद्ध सहित) पूरा विवरण देने पर पूरे अंक दिए जायेंगे।	05	10 (½ + ½ + ½ + ½ + ½ + ½ + ½ + ½ + ½ + ½)	05
3	**संगीतज्ञ के जीवन परिचय एवं संगीत के ग्रंथ** **1. पं शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय** पं शिव कुमार शर्मा का संगीत जगत् में महत्त्वपूर्ण योगदान पर सम्पूर्ण प्रकाश डालें। हरि प्रसाद चौरसिया का संगीत के क्षेत्र में योगदान पर सम्पूर्ण प्रकाश डालें। **2. संगीत ग्रंथ** ▪ नाट्यशास्त्र ग्रन्थ भरतमुनि का विश्लेषणात्मक अध्ययन पूरा विवरण देने पर पूरे अंक दिए जायेंगे।	04	02 (2+2) with internal choice in one Short Answer only	04
4	**संगीत** ▪ **उत्तरी भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति व इसका महत्त्व** पूरा विवरण देने पर पूरे अंक दिए जायेंगे।	02	04 (½ + ½ + ½ + ½)	02
5	**रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान** **1.राग भीमप्लासीए वृदं वनी सारंग और राग खमाज का शास्त्रीय परिचय** थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी संवादी स्वर, गायन समय, आरोह अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर **2.राग भीमप्लासी, वृदं वनी सारंग और राग खमाज के रजाखानी गत स्वरलिपि पद्धति दो तोडे सहित ।** पूरा विवरण देने पर पूरे अंक दिए जायेंगे।	06	04 (5 = 2½ + 2½), (½ + ½) with internal choice in Essay type Question only	06
	कुल	20	23	(20)